सब पर भारी पीडब्ल्यूडी मझौली की प्रभारी एसडीओ

मामला एसई के निर्देश और ईई के आदेश के बाद भी सूचना के अधिकार अधिनियम की एसडीओ पीडब्ल्यूडी मझौली द्वारा जानकारी नहीं देने का आरोप

नवभारत न्यूज

सीधी 13 दिसम्बर। पीडब्ल्यूडी मझौली की प्रभारी एसडीओ सब पर भारी हैं। मामला एसई के निर्देश और ईई के आदेश के बाद भी सूचना के अधिकार अधिनियम की एसडीओ पीडब्ल्यूडी मझौली द्वारा जानकारी नही देने का सामने आया है।

बताते चलें कि आरटीआई कार्यकर्ता आदित्य सिंह सीधी द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत दिनांक 3 सितम्बर 2025 को आवेदन देकर लोक सूचना अधिकारी कार्यपालन यंत्री संभाग सीधी से दो बिन्दुओं की जानकारी मांगी गई थी। मांगी गई जानकारी में लोक निर्माण विभाग मझौली के अंतर्गत निर्माणाधीन खाम्ह-गिजवार सड़क के द्वितीय एवं तृतीय माप पुस्तिका एमबी एवं द्वितीय व तृतीय देयक बिल की सत्यापित छायाप्रति की मांग की गई थी। वहीं द्वितीय बिन्दु में लोक निर्माण विभाग उप संभाग मझौली के अंतर्गत निर्माणाधीन ठोंगा मैर टोला से जमुना नं.2 की मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता की जांच रिपोर्ट तथा अब तक भुगतान किये गये बिल व माप पुस्तिका एमबी छायाप्रति सहित जानकारी की मांग की गई थी। निर्धारित समयावधि के बाद भी जानकारी न मिलने पर इसकी प्रथम अपीलीय आवेदन 24 अक्टूबर 2025 को जो अधीक्षण यंत्री कार्यालय रीवा को 29 अक्टूबर 2025 को प्राप्त हुई।

उभय पक्षों को सुनने हेतु पर्याप्त अवसर दिया गया, किन्तु प्रकरण का निराकरण लोक सूचना अधिकारी संभाग रीवा द्वारा नहीं किया गया। जिस पर अधीक्षण यंत्री द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुये सूचना अधिकारी को आगाह किया गया है कि ऐसी वैधानिक त्रुटियों की पुनरावृत्ति ना करें। लोक सूचना अधिकारी के विरूद्ध धारा 20 (1) एवं 20 (2) दंडात्मक प्रावधान आकर्षित होंगे। अपीलार्थी को वांछनीय जानकारी की फोटो प्रति नियमानुसार नि:शुल्क समय-सीमा में उपलब्ध करावें।

आखिर क्यों खाम्ह-गिजवार सड़क की नही दी जा रही एमबी

खाम्ह-गिजवार सड़क की सूचना अधिकार अधिनियम में मांगी गई जानकारी आखिर क्यों नहीं दी जा रही है। यह बड़ा सवाल बना हुआ है। उक्त सड़क की एमबी की छायाप्रति उपलब्ध कराने में जिम्मेदार अधिकारी लगातार हीला-हवाली कर रहे हैं। उक्त सड़क निर्माण शुरू होने के बाद से गड़बड़ियों को लेकर काफी सुर्खियों में बनी हुई थी। जिस पर जांच भी हुई, कार्यवाही के आदेश भी जारी हुये लेकिन गड़बड़ी के मुख्य जिम्मेदार अधिकारी के विरूद्ध अभी तक कार्यवाहीं करने की जरूरत नहीं समझी गई। इसी वजह से खाम्ह-गिजवार सड़क की एमबी की प्रति भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है।

प्रभारी एसडीओ को किसका मिला है संरक्षण?

लोक निर्माण विभाग उप संभाग मझौली के प्रभारी एसडीओ पर मनमानी करने के बाद भी किसका संरक्षण मिला है यह चर्चा का विषय बना हुआ है। मझौली अंचल में निर्माणाधीन प्रमुख सड़कों एवं पूर्ण कराये गये कार्यों की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें होती रही हैं। अधिकारियों को जांच में भी काफी अनियमितताएं मिली हैं। फिर भी प्रभारी एसडीओ पर कोई कार्यवाही अभी तक नहीं हुई। कार्यवाही के नाम पर छोटे कर्मचारियों को निशाना बनाया जाता है।

इनका कहना है

सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी उपलब्ध करने के संबंध में अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग रीवा द्वारा जारी पत्र के परिपालन के लिए प्रभारी एसडीओ पीडब्ल्यूडी मझौली को कई बार मौखिक निर्देश के बाद भी चाही गई जानकारी की एमबी उपलब्ध नही कराये जाने पर पत्र लिखा गया है। यदि जानकारी नही दी जाती है तो एसडीओ के खिलाफ अग्रिम कार्यवाही हेतु वरिष्ठ कार्यालय को पत्र लिखा जायेगा।

एम.के.परते, कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग सीधी

कपुरी कोठार में 17 से दिव्य श्रीरामकथा का भव्य आयोजन

नवभारत न्यूज

रामपुर नैकिन 13 दिसम्बर। जिले के सुप्रसिद्ध हनुमान मंदिर ग्राम कपुरी कोठार में धर्म, आस्था और संस्कारों का अनुपम संगम साकार होने जा रहा है।

सर्वसमाज वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति सागौनी के आयोजकत्व में दिव्य श्रीरामकथा का भव्य आयोजन 17 से 25 दिसम्बर तक सुनिश्चित किया गया है। इस पावन अवसर पर कथा व्यास के रूप में संत मुरलीधर जी महाराज अपने ओजस्वी वाणी प्रवाह से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन आदर्शों का रसास्वादन कराएंगे। आयोजन समिति की ओर से रावेन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री रामकथा को लेकर आसपास के समस्त ग्रामों में विशेष उत्साह का वातावरण है। धार्मिक चेतना के साथ सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने वाले इस आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया जा रहा है। वहीं श्रद्धालुओं की सुविधाओं हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। श्रीराम कथा न केवल भक्ति और श्रद्धा का स्रोत है बल्कि यह जीवन में सत्य, धर्म, करुणा और कर्तव्यबोध का मार्गदर्शन भी करती है। आयोजन समिति ने प्रबुद्ध नागरिकों, धर्मप्रेमियों एवं समस्त श्रद्धालुओं से इस पावन धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है। यह आयोजन क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना के नवसंचार का माध्यम बनेगा।

जिला विकास एवं सलाहकार समिति बनेगी सीधी के समग्र विकास की धुरी : जायसवाल

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिला विकास एवं सलाहकार समिति की पहली बैठक, दीर्घकालीन विकास कार्ययोजना पर मंथन

नवभारत न्यूज

सीधी 13 दिसम्बर, प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता में जिला विकास एवं सलाहकार समिति की प्रथम बैठक सकारात्मक एवं विकासोन्मुख वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में जिले के समग्र, संतुलित एवं दीर्घकालीन विकास को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि जिला विकास एवं सलाहकार समिति जिले के विकास को नई दिशा और गति देने का सशक्त मंच है। यह समिति केवल समस्याओं की पहचान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जिले की आवश्यकताओं, संसाधनों और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए दूरदर्शी एवं व्यावहारिक विकास कार्ययोजना तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि समिति जिले के वर्तमान परिदृश्य के साथ-साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकास के नए आयाम स्थापित करेगी। प्रभारी मंत्री ने समिति सदस्यों से कहा कि वे जमीनी स्तर की वास्तविक समस्याओं को तथ्यों के साथ बैठक के समक्ष रखें और साथ ही उनके व्यवहारिक व ठोस समाधान के सुझाव भी प्रस्तुत करें। बैठक में विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक ने कहा कि जिला विकास एवं सलाहकार समिति जिले के समग्र विकास के लिए एक सशक्त और प्रभावी मंच सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा बीते दो वर्षों में जनकल्याण और विकास के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं, जिनका लाभ सीधी जिले को भी मिला है। उन्होंने स?क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं ग्रामीण विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में हुए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि शासन की योजनाएं अब प्रभावी रूप से आम नागरिकों तक पहुंच रही हैं। बैठक में कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी ने जिला विकास एवं सलाहकार समिति के गठन के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह समिति जिले की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास की कार्ययोजना तैयार करेगी। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष कुसमी श्रीमती श्यामवती सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष मझौली श्रीमती सुनैना सिंह सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संतोष कोरी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री बी. पी. पाण्डेय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित रहे।

पोड़ी में जल संचय अभियान आयोजित, 70 बोरियों से बनाया बोरीबंधान

नवभारत न्यूज

सेमरिया 13 दिसम्बर। सेमरिया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोड़ी में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल संचय अभियान उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम संभाग रीवा के समन्वयक एवं सीधी जिले के प्रभारी प्रवीण पाठक के निर्देशानुसार पोड़ी नाले में श्रमदान आधारित बोरीबंधान कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक अनिल कुमार पाठक, परामर्शदाता नृपेंद्र कुशवाहा, सीएमसीएलडीपी छात्र एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। शुरुआत रैली के माध्यम से की गईए जिसमें ग्रामवासियों ने जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इसके बाद सामूहिक श्रमदान के जरिए लगभग 70 बोरियों का बोरीबंधान किया गयाए जिससे जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इस अभियान में ग्राम के लखऊ प्रजापति, छोटेलाल प्रजापति, सूरज विश्वकर्मा, शुक्ला विश्वकर्मा, बाल्मीकि गुप्ता, प्रदीप जायसवाल, मो.बाबू, राहुल साकेत, बैजनाथ साकेत, राजेश बसोर सहित अनेक ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। साथ ही सीएमसीएलडीपी व बीएसडब्ल्यू प्रथम वर्ष के छात्र अरुण प्रजापति, शैलेंद्र कुशवाहा, अमन विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

एनएसएस शिविर के दूसरे दिन स्वच्छता की रैली निकाली

नवभारत न्यूज

सीधी 13 दिसम्बर। सांदीपनि शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के द्वारा गोद लिए पड़रा ग्राम में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सप्तदिवसीय शिविर के दूसरे दिन विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक स्वच्छता संबंधित कार्यक्रम आयोजित की है।

प्राचार्य आरती पाण्डेय ने जानकारी देकर बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी ज्वाला प्रसाद पटेल के निर्देशन में चल रहे सप्तदिवसीय शिविर में शुक्रवार को दूसरे दिन स्वयं सेवकों द्वारा विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए स्वच्छता संबंधित गतिविधिया आयोजित की गई एवं ग्राम पड़रा में वृहद रैली आयोजित की गई। जिसमें सभी स्वयं सेवक शिक्षक अजिता द्विवेदी, मुन्नालाल साहू, विजय शर्मा एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय कूडो प्रतियोगिता में गणेश स्कूल की समृद्धि ने जीता स्वर्ण पदक

नवभारत न्यूज

सीधी 13 दिसम्बर। आर्मी पब्लिक स्कूल सागर में आयोजित 69वीं राज्य स्तरीय कूडो प्रतियोगिता में रीवा संभाग का प्रतिनिधित्व कर रहे श्री गणेश सीनियर सेकेण्डरी स्कूल पड़रा के चार खिलाड़ियों ने मेडल्स जीतकर जिले का नाम रोशन किया है।

विजेता खिलाड़ियों को प्राचार्य डॉ.महेन्द्र कुमार तिवारी एवं प्रधानाध्यापिका माएमा सिमन्स ने बधाई दी और खिलाड़ियों को उनके मेडल पहनाकर सम्मानित किया। चार दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में बालक-बालिका अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्गों में प्रदेश के विभिन्न संभागों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। प्रवक्ता राजकपूर चितेरा ने बताया कि गणेश स्कूल पड़रा के 6 खिलाड़ी राज्य स्तरीय कूडो प्रतियोगिता में शामिल हुए जिनमें से 4 खिलाड़ी पदक जीतने में कामयाब रहे। बताया कि शामिल खिलाडियों में समृद्धि चौबे अंडर-14 के 54 किग्रा. वर्ग में स्वर्ण, शिवांग पाण्डेय अंडर-14 के 31 किग्रा. वर्ग में, रजत, शुभ गुप्ता अंडर-14 के 42 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक प्राप्त किए। जबकि प्रवीण साहू ने अंडर-17 के 52 किग्रा. वर्ग में कांस्य पदक जीता। चितेरा ने बताया कि कूडो खेल मूलत: जापानी मिश्रित मार्शल आर्ट की श्रेणी में आता है जिसमें पारम्परिक कराटे, जूडो, जुजुत्सु, मय थाई और किक बॉक्सिंग की तकनीकों का एक सुरक्षित, आधुनिक और व्यावहारिक संयोजन किया जाता है। प्राचार्य डॉ.तिवारी ने विजेता खिलाड़ियों सहित उनके कोच माखनलाल मिश्र को बधाई देते हुए कहा कि आज के समय में मार्शल आर्ट जीवन में एक बहुत उपयोगी कला है इससे आत्मरक्षा की टेक्निक सीखने को मिलती है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली समृद्धि ने अपनी जीत का श्रेय मां पुनीता चौबे, पिता प्रभात चौबे और प्रशिक्षक माखन मिश्र को दिया। समृद्धि की मां पुनीता ने बताया कि उनकी बेटी पढ़ाई के साथ-साथ मार्शल आर्ट, बॉक्सिंग व कूडो खेल मे रुचि रखती है। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर स्कूल के पीटीआइ तरुणनाथ मिश्र, सूरज शुक्ल, सुभाष शुक्ल, विश्वास पाण्डेय, प्रियंका सिंह व अंकुर मिश्र सहित समस्त स्टाफ ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

शिक्षा और संस्कार को अपनाकर ही समाज को ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है : मंजूषा

नवभारत न्यूज

सीधी 13 दिसम्बर। नगर मुख्यालय स्थित रोली मेमोरियल आज एक ऐतिहासिक छड़ का साक्षी बना जहां विश्व मांगल्य सभा के जनजाति कल्याण विभाग की प्रथम जिला स्तरीय बैठक जबरदस्त उत्साह संस्कृत भावनाओं और सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ आयोजित हुआ।

पूरे जिले से जनजाति समाज सहित अन्य समाजों के भाई बहनों की उमड़ी भारी भीड़ ने स्पष्ट संदेश दिया की जनजाति मातृत्व संस्कार और संस्कृत के संरक्षण का नया अध्याय शुरू हो चुका है। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती मंजूषा ताई द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती मंजूषा ताई को शाल श्रीफल एवं माला पहनकर भव्य स्वागत किया गया एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ.प्रवीण शरदेंदु तिवारी थी तथा इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती रचना मिश्रा ने किया। कार्यक्रम के दौरान मंजूषा ताई ने जोर देकर कहा कि मां शिक्षित होगी तो आने वाली पीढ़ी भी शिक्षित होगी और वही समाज को नई दिशा देगी।

हमारे लक्ष्य है कि देश भर में जनजाति माताएं संस्कार और संस्कृति की जजवाहक बने। इस कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती ऋचा सिंह के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में जिले की मातृ शक्तियों में श्रीमती अजीत द्विवेदी श्रीमती मंजू शुक्ला, श्रीमती पूजा सिंह कुशराम, श्रीमती सीमा सिंह, मीनाक्षी चतुर्वेदी, श्रुति सिंह परिहार, श्रीमती रीता सिंह, श्रीमती आकांक्षा सिंह, श्रीमती शकुंतला जायसवाल के साथ नगर की विशिष्ट मातृ शक्तियां भी कार्यक्रम में मौजूद रही।

सांसद डॉ .मिश्रा ने लोकसभा में बुलंद की आवाज, उनका आभार : उमेश

नवभारत न्यूज

सीधी 13 दिसम्बर। टोको-रोको-ठोको क्रांतिकारी मोर्चा के संयोजक उमेश तिवारी ने कहा है कि सांसद डॉ.राजेश मिश्रा द्वारा लोकसभा में आदिवासी किसानों के मुद्दे को उठाने से प्रभावित किसानों को न्याय मिलने की उम्मीद बढ़ी है।

श्री तिवारी ने बताया कि ग्राम मूसामुड़ी और भुमका तहसील मझौली जिला सीधी के आदिवासी किसान अपनी मां समान सुजलां, सुफलाम् (जल से भरपूर, फलों से सम्पन्न) शस्यश्यामलाम् (हरी-भरी फसलों से आच्छादित) जमीन को भूमि अधिग्रहण के नाम पर आर्यन पावर कम्पनी की लूट से बचाने के लिए लगातार संघर्षरत हैं। आदिवासी किसानों की जमीन और जिंदगी बचाने के लिए सीधी सांसद द्वारा देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा में उठाकर आदिवासी किसानों की जमीन पुन: आदिवासियों को वापस किए जाने की मांग की गई। सांसद डॉ.राजेश मिश्रा द्वारा कई बार पहले भी भुमका और मूसामुड़ी के आदिवासी किसानों के संघर्ष में अपनी एकजुटता की बात कही जा चुकी है।

श्री तिवारी नें बताया की टोंको-रोंको-ठोंको क्रांतिकारी मोर्चा वर्ष 2009 से निरंतर आर्यन पावर कम्पनी के लिए किए गए फर्जी भूमि अधिग्रहण को निरस्त कर आदिवासी किसानों की जमीन वापस किए जाने की लड़ाई लड़ रहा है। लम्बी लड़ाई में म.प्र. सरकार के मंत्री स्व.जगन्नाथ सिंह आदिवासी किसानों का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री तक किसानों के साथ गए थे। सांसद डॉ.मिश्रा दूसरे जनप्रतिनिधि है जो आदिवासी किसानों के संघर्ष का समर्थन करते हुए आदिवासी किसानों की जमीन लूटनें से रोकने का काम किया है। उमेश तिवारी ने आदिवासी किसानों की लड़ाई का सहयोग करने पर सांसद डॉ.राजेश मिश्रा का आभार मानते हुए उनका धन्यवाद दिया है।

पीसीसी सड़क के उखड़ने की सीईओ से फरियाद

नवभारत न्यूज

सीधी 13 दिसम्बर। जनपद पंचायत सीधी अंतर्गत ग्राम पंचायत क्षेत्र भमरहा में वर्ष 2022 में निर्मित कराई गई पीसीसी सड़क के घटिया निर्माण के कारण क्षतिग्रस्त होने की शिकायत जिला पंचायत सीधी के सीईओ से की गई है।

शिकायतकर्ताओं में उप सरपंच सीताराम भी शामिल हैं। शिकायती पत्र में कहा गया है कि ग्राम पंचायत भमरहा अंतर्गत ग्राम बिछिया में रामसिया के घर से विश्वनाथ कुशवाहा के घर तक पीसीसी सड़क वर्ष 2022 में बनाई गई थी। घटिया निर्माण के कारण समूची सड़क क्षतिग्रस्त हो गई। इसी प्रकार ग्राम गाजर में वर्तमान में पीसीसी सड़क का घटिया निर्माण किया जा रहा है। निर्माणाधीन सड़क में नदी की मिट्टी युक्त रेत तथा डस्ट का भारी उपयोग किया जा रहा है। सीमेंट की मात्रा काफी कम है। ऐसे निर्माण के चलते ग्राम पंचायत में केवल लाखों की राशि खर्च हो रही है लेकिन घटिया निर्माण के चलते निर्माण कार्य कुछ ही समय में क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। उक्त भ्रष्टाचार की जांच करा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

चलित चक्की के माध्यम से सड़कों पर हो रही धान दराई

धान की भूसी उड़ने से लोगों को होती है परेशानी, ट्रैक्टर चालकों की मनमानी से सड़क में हादसे का खतरा

नवभारत न्यूज

सीधी 13 दिसम्बर। चलित धान चक्की का प्रचलन ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी के साथ बढ़ने के कारण यह मुख्य सड़कों के लिए बड़ा जोखिम भी बन चुका है। ट्रैक्टर चालक मुख्य सडकों पर ही धान की चक्की को चालू करके घंटों दराई का कार्य शुरू रखते हैं। धान की चक्की जब तक सड़क में शुरू रहती है वहां से निकलने वाले लोगों को उड़ने वाली भूसी के चलते भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

वहां से गुजरने वाले अन्य वाहनों में सवार लोगों की आंख के अंदर भी उड़ने वाली भूसी जाकर बड़ी समस्या खड़ा कर देती है। कई बार तो वाहन चालक के आंख में भूसी चली जाने से उसको सुरक्षित अपना वाहन चलाने में भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही मुख्य सड़क से गुजरने वाले राहगीरों को भी उड़ती भूसी के चलते धूल से सराबोर होना पड़ता है। स्थिति यह है कि सभी मार्गो में ट्रैक्टर से जुड़ी धान चक्की को सडक़ पर चालू कर धान की धराई करते हुए अक्सर देखा जाता है। जिसके चलते यहां से गुजरने वाले अन्य वाहनों को काफी समस्याएं उठानी पड़ती है। चर्चा के दौरान कुछ ग्रामीणों ने बताया कि चलित चक्की जिनके द्वारा मुख्य सड़कों में खड़ी करके धान की दराई की जाती है वह सभी स्थानीय ही होते हैं। इस वजह से विरोध करने पर विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि आज गांव में कई ट्रैक्टर मालिक अतिरिक्त कमाई के लिए चलित धान चक्की रखे हुए हैं। जिस स्थान में धान दराई की सूचना मिलती है वह कुछ समय के अंदर ही वहां चलित चक्की को ट्रैक्टर में लगाकर पहुंचा देते हैं। ग्रामीण भी चलित चक्की के माध्यम से घर के सामने धान की दराई हो जाने से काफी राहत पाते हैं। इसी वजह से धान के सीजन के दौरान चलित चक्की की मांग काफी बढ़ जाती है। रोजाना ग्रामीण क्षेत्रों के मुख्य मार्गों एवं अंदर के मार्गों में चलित चक्की को देखा जा सकता है। जिस स्थान पर चलित चक्की शुरू होती है वहां कम से कम दो-तीन घंटे वह जमी रहती है। यदि व्यस्त मार्ग हुआ तो उस दौरान वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों एवं सवारों को काफी परेशानियां उठानी पड़ती है। इस मामले में जिम्मेदार भी पूरी तरह से निष्क्रिय बने हुए हैं। जिससे यह समस्या दिनोंदिन बढ़ रही है।

बिना लाइसेंस के संचालित हो रही चलित धान चक्की

ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टरों के माध्यम से ही धान चक्की का संचालन किया जा रहा है। जानकारों के अनुसार चलित धान चक्की संचालित करने के लिए संबंधित के पास लायसेंस होना आवश्यक है। फिर भी ग्रामीण क्षेत्रों में जो भी चलित धान चक्की संचालित हो रही है उनके पास किसी भी विभाग के माध्यम से अनुमति प्राप्त नहीं है। घर-घर पहुंचकर धान दराई की सुविधा देने के नाम पर लोगों से मनमानी राशि भी ऐंठी जा रही है। हैरत की बात तो यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को बाधित कर रही चलित धान चक्कियों के पास लायसेंस है या नहीं यह जानने की जरूरत स्थानीय पुलिस भी नहीं समझती। इसी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में जिनके पास ट्रैक्टर है वह अतिरिक्त कमाई करने के लिए चलित धान चक्की की व्यवस्था भी प्राथमिकता के साथ बनाए हुए हैं। जिससे अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर धान की दराई करें। अब तो स्थिति यह है कि नगरीय क्षेत्रों में भी आसपास के ग्रामीण इलाकों से चलित धान चक्की पहुंच रही है। जिसके चलते जिन स्थानों में यह धान चक्की शुरू होती है वहां के लोगों को घंटों उड़ती भूसी के चलते भारी प्रदूषण में समय गुजारने की मजबूरी निर्मित हो जाती है।